उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के वी.के.आई. इण्डस्ट्रियल एरिया में बारिश के कारण घर ढह जाने व इस हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत पर गहरा शोक जताया है। दिया कुमारी ने गुरुवार को हादसे में घायल एवं शोक संतप्त परिवार के अन्य लोगों से कावंटिया अस्पताल जाकर मुलाकात की व उन्हें ढांढस बंधा। गुरुवार को सूचना मिलते ही उप मुख्यमंत्री ने घटनास्थल पर जाकर निगम को तुरंत पानी की निकासी कराने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बाद जिला प्रशासन के अधिकारी पम्प व अन्य साजो-सामान लेकर मौके पर पहुँचे व पानी की निकासी के इंतजाम शुरु करवा दिये। दिया कुमारी ने कहा कि, मैंने विद्याधर नगर में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए कई प्रयास शुरु कर दिये हैं। नगर निगम के पास पानी के पम्पों की कमी को भी पूरा किया जायेगा, यह सुनिश्चित किया जायेगा कि हर विधानसभा क्षेत्र के लिए पम्प उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि, वी.के.आई. क्षेत्र के लोगों के लिए योजना बनाकर पुनर्वास का भी कार्य शुरु किया जायेगा। उन्होंने पीड़ितों के लिए तुरंत चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने की घोषणा के लिए भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद दिया।

जयपुर में 8 इंच बारिश, 4 लोगों की मौत

विश्वकर्मा इलाके स्थित ध्वज नगर में बारिश का पानी एक मकान के बेसमैंट में घुसा, छत गिरने से बेसमैंट में फंसे 3 लोगों की डूबने से मौत

- बगरू में भी अण्डरग्राउण्ड सीवर नाले में बहने से 12 वर्षीय बालक की मौत हुई।
- जयपुर हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, एस.एम.एस. अस्पताल और कई इमारतों में पानी भरा।
- मूसलाधार बारिश के कारण शहर की सड़कों पर पानी भरा, कई इलाकों में सड़कें धंसीं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 1 अगस्त। राजधानी जयपुर में बुधवार-गुरूवार मध्यरात्रि को हुई भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बीते 24 घंटे में करीब 8 इंच (193 मिलीमीटर) बारिश दर्ज हुई। एक बड़े हादसे में विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र - स्थित ध्वज नगर में बारिश का पानी एक मकान के बेसमेंट में घुस गया और छत गिरने के कारण बेसमेंट में फंसे 3 लोगों की डूबने से मौत हो गयी। यह मकान सड़क के लेवल से काफी नीचे बना हुआ था। इसके अलावा बगरू में भी अंडर ग्राउंड सीवेज नाले में बहने से 12 वर्षीय बालक पीयूष आचार्य की मौत हो गयी।

तेज हवा के साथ हुई वर्षा के कारण जयपुर की अधिकांश सड़कें जलमग्न हो गईं। शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया। जयपुर हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, एस.एम.एस. अस्पताल में पानी घुस गया। मुरलीपुरा व झोटवाड़ा सहित कुछ इलाकों में सड़कें भी धंस गयी। गांधीनगर रेलवे स्टेशन की पटरियां पानी में डूब गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि विश्वकर्मा थाना इलाके के रोड नंबर-7 ध्वज नगर में बुधवार-गुरुवार की मध्यरात्रि को हुई भारी वर्षा के कारण सड़क किनारे बने मकान के बेसमेंट में बारिश का पानी भर जाने से पूर्वी (8), पूजा (19) और कमल (23) की मौत हो गई। तीनों बिहार के आरा के रहने वाले थे।

मौके पर पहुंची सिविल डिफेंस और स्टेट डिज़ास्टर रेस्क्यू फोर्स (एस.डी.आर.एफ.) की टीम ने छह घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद गुरुवार दोपहर साढ़े 12 बजे तीनों के शवों को बाहर निकाला। वहीं काफी मशक्कत के बाद एक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

सहायक पुलिस आयुक्त अशोक चौहान ने बताया कि 25 साल पहले बिहार के आरा निवासी अशोक सैनी और बैजनाथ सैनी ने ब्रज नगर में प्लॉट नंबर 94-95 खरीदा था। यहां पर उन्होंने मकान बनाया था। बैजनाथ का घर आगे व अशोक का घर पीछे था। रात को बारिश आने से अशोक के घर के पीछे वाले मकान में पानी भरा। इससे दीवार टूटी और एकाएक सड़क का पानी पीछे और आगे से उनके घर में घुस गया। तेज रफ्तार से बेसमेंट में पानी भर गया और बेसमेंट की छत की पट्टियां भी आधी टूट कर लटक गई। इस दौरान अशोक की बेटी पूजा सैनी (19) और दोहिती पूर्वी (6) पुत्री हटवारु सैनी बेसमेंट में सो रही थी। बेसमेंट में पानी भरने से दोनों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और डूबने से उनकी मौत हो गई। अशोक के घर के बाद बैजनाथ के घर के बेसमेंट में भी पानी घुस गया, जहां पर बैजनाथ का लड़का कमल शाह (23) था। पानी में डूबने से उसकी भी मौत हो गई। अशोक और बैजनाथ जयपुर में फैक्टरी में काम करते हैं।

एसडीआरएफ कमांडेंट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि गुरुवार सुबह जिला कलक्ट्रेट कंट्रोल रूम जयपुर से पुलिस थाना वीकेआई के अन्तर्गत रोड नंबर 17 ध्वज नगर में एक मकान के बेसमेंट में पानी भरने एवं बेसमेंट की छत गिरने से कुछ लोगों के दबे होने की सूचना पर आपदा राहत एवं बचाव के लिए एसडीआरएफ एच कम्पनी को घटनास्थल के लिए रवाना किया। रेस्क्यू टीम प्रभारी दस जवानों की टीम आपदा राहत उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची। टीम कमांडर ने स्थिति का जायजा लिया। छत की पट्टियां आधी टूट कर लटकी हुई थीं, दीवारें जर्जर थीं जो कभी भी गिर सकती थीं।

इस पर रेस्क्यू टीम ने ऑपरेशन शुरू किया। सबसे पहले रेस्क्यू टीम ने नगर निगम, स्थानीय प्रशासन एवं सिविल डिफेंस की टीम के साथ मिलकर पम्पसेटों की सहायता से बेसमेंट में से पानी बाहर निकाला। उसके बाद संयुक्त टीमों द्वारा रेस्क्यू रोप की सहायता से बेसमेंट में उतरकर मलबे में दबे तीनों शवों को दोपहर साढ़े 12 बजे तक बाहर निकाला और स्थानीय प्रशासन को सौंप दिया।

'पेपर लीकेज आउट साइड वाटर लीकेज इन साइड...'

इण्डिया गठबंधन ने लोकसभा में भाजपा सरकार को व्यंगों व कटाक्षों से घेरा, नई लोकसभा में छत से बारिश का पानी टपकने पर

- अखिलेश यादव ने व आम आदमी पार्टी ने कटाक्ष किया कि 1,200 करोड़ की लागत से बनी, संसद की नई बिल्डिंग, अब 120 रूपए की बाल्टी पर आश्रित है, पानी का लीकेज फैलने से रोकने के लिये।
- कुछ सांसदों ने कहा, ''संसद की पुरानी बिल्डिंग बेहतर थी। उस बिल्डिंग में पुराने सांसद भी आकर बैठते थे और हम सब मिलते थे, अब हम एक बार फिर पुरानी बिल्डिंग में ही क्यों न शिफ्ट हो जायें।''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। विपक्ष ने आज सत्तारुढ़ भाजपा की खिल्ली उड़ाई क्योंकि नए संसद भवन की छत से टपक रहे पानी को एकत्र करने के लिए एक बाल्टी बीच में रखी हुई थी।

विपक्षी इण्डिया गठबंधन की घटक समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने हास्यास्पद लहजे में कहा कि ''पुरानी संसद नई संसद से बेहतर थी, जहां पुराने सांसद भी आकर मुलाकात कर सकते थे। अरबों रुपयों से बनाए गए नए संसद भवन की छत से जब तक पानी टपक रहा है, तब तक क्यों न पुराने संसद भवन ही चला जाए। लोग यह पूछ रहे हैं कि भाजपा सरकार के अन्तर्गत निर्मित प्रत्येक नई छत से पानी टपक रहा है या यह सरकार की एक सोची -समझी डिजाइन का हिस्सा है?

देश की राजधानी में हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से नए संसद भवन की छत से टपक रहे पानी के वीडियो जब सामने आए, तब समाजवादी पार्टी प्रमुख ने गुरुवार को भाजपा पर चुटकी ली। इस बारिश में अब तक नौ जनों की जान जा चुकी है और शहर में हर जगह पानी भर गया है। उन्होंने संसद भवन में बने एक गुम्बदनुमा ग्लास रुफ अहाते का वीडियो शेयर किया, जिससे टपक रहे पानी को एक नीले रंग की बाल्टी में एकत्र किया जा रहा था।

मजेदार बात यह है कि इस तरह से पानी टपकने को लोकसभा सचिवालय ने ''माइनर वॉटर लीकेज'' बताते हुए कहा कि संसद भवन की लॉबी सहित उसके कुछ हिस्सों में स्थापित ग्लास गुम्बदों पर लगी ''एडहेसिव स्ट्रिप्स'' के ढीले पड़ जाने से ऐसा हुआ है। ये ग्लास गुम्बद प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक प्रकाश प्राप्त करने के लिए बनाए गए हैं, लेकिन नए संसद भवन में ऐसा ही जल रिसाव पहले भी देखने को मिला है।

लोकसभा सचिवालय की ओर से कहा गया कि ''ग्लास गुम्बदों को पक्का करने के लिए लगाए गए एडहेसिव्ज़ थोड़े से उखड़ गए हैं जिससे लॉबी में पानी लीक होने लगा, लेकिन इस समस्या का पता लगाकर उसे तुरंत दुरुस्त कर दिया गया। उसके बाद कोई लीकेज नहीं हुआ।''

इसके बावजूद, तृणमूल की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा और कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर सहित विपक्ष के अन्य नेताओं ने इस वीडियो को लेकर भाजपा की खिल्ली उड़ाई है।

महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''एक्स'' पर डाली एक पोस्ट में नए संसद भवन की लॉबी से टपक रहे पानी की तुलना प्रकट रुप से भाजपा के खराब चुनाव परिणामों से की। उन्होंने लिखा कि भाजपा ने अप्रैल-जून के चुनावों में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का वादा किया था, लेकिन बहुमत से 32 सीटें कम रहने के कारण सहयोगियों के समर्थन से ही सरकार बना सकी।

मनिकम टैगोर की पोस्ट में नीट - यू.जी. मैडिकल एन्ट्रैन्स परीक्षाओं सहित लगातार हो रहे पेपर लीक का हवाला दिया गया। उन्होंने लिखा कि बाहर ''पेपर लीक - अंदर पानी लीक।''

उन्होंने यह भी कहा कि ''संसद की जिस लॉबी में पानी लीक हुआ है, उसका इस्तेमाल राष्ट्रपति द्रौपद्री मुर्मू ने किया था, जिसका मतलब है कि नए भवन के मौसम के प्रति रैसिस्टैन्स के मुद्दों को तुरंत प्रकाश में लाने की जरुरत है। उन्होंने यह संकेत भी किया कि इस मुद्दे पर चर्चा के लिए वह लोकसभा के वर्तमान सत्र में एक स्थगन प्रस्ताव लाएंगे।

आम आदमी पार्टी भी पीछे नहीं रही। उसकी पोस्ट में कहा गया कि ''12 सौ करोड़ रुपयों की लागत से बनाया गया संसद भवन अब 120 रुपए की बाल्टी पर निर्भर है।''

उक्त वीडियो अथवा इस पर विपक्ष द्वारा ली गई चुटकियों को लेकर सरकार ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दिल्ली से वाराणसी जा रही वन्दे भारत ट्रेन की छत से पानी टपकने के कुछ दिन बाद विपक्ष ने सरकार पर तंज कसे हैं। ट्रेन के एक यात्री ने उक्त वीडियो शेयर किया था।

उत्तर रेलवे ने इसका कारण पाइप्स में अस्थायी लीकेज बताया था। वन्दे भारत ट्रेन्स रेलवे के लिए सरकार की फ्लैगशिप स्कीम्स में से एक हैं।

गत जून माह में भव्य राम मंदिर के गर्भ गृह की छत से पानी टपकने की खबरें आई थीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनवरी माह में लोकसभा चुनावों से ठीक पूर्व आयोजित किए गए एक हाईप्रोफाइल कार्यक्रम में इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की थी

मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने पानी की निकासी की उचित व्यवस्था न होने की भी शिकायत की थी।

हालांकि, मंदिर के प्रशासनिक अधिकारियों ने उनके दावे को खारिज करते हुए कहा था कि इलैक्ट्रिक वायर्स को फिक्स करने के लिए पाइप लगाए थे, और द्वितीय तल पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान इन पाइप्स में पानी घुस गया।

दिल्ली के कुछ इलाकों में रिकॉर्ड वर्षा दर्ज की गई, जिसके कारण मौसम विभाग को शहर के लिए रैड अलर्ट जारी करना पड़ा।

प्रतिष्ठित प्रगति मैदान का वर्ष 2017 में पुनर्विकास शुरु हुआ था, उसमें भी बहुत सारा पानी भरा हुआ है। इसकी मरम्मत में 2150 करोड़ रुपयों की लागत आई है। यहां मुसीबत तब हो गई, जब इसका एक भूमिगत मार्ग बारिश में संचालन के लायक नहीं रहा। इसके प्रतिष्ठित सभागार ''भारत मण्डपम'' में भी पानी भर गया।

मु.मंत्री ने मृतकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी आवश्यक निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी तरह की सहायता में कोताही नहीं बरती जाए और न लापरवाही की जाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिए कि प्रदेश में जहां-जहां भी तेज बारिश की वजह से हालात बिगड़े हैं, वहां पर तुरंत सहायता पहुंचाई जाए। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन को मुस्तैद करने के साथ किसी तरह की कोई कोताही न बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा में सरकार हर जरूरतमंद परिवार के साथ खड़ी है, उनकी सहायता में किसी तरह की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने मौत पर मृतक कमल शाह, पूजा सोनी तथा पूर्वी सोनी के परिजनों को 4-4 लाख रुपए आपदा राहत से और 1-1 लाख रुपए मुख्यमंत्री सहायता कोष से, कुल 5-5 लाख रुपये की सहायता की मंजूरी दी।

भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पैरिस ओलम्पिक में 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशंस स्पर्धा का कांस्य पदक जीत लिया है। आज चेटेउरौक्स में ओलंपिक के छठे दिन 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशंस की फाइनल प्रतियोगिता में कुसाले ने मौजूदा ग्रीष्मकालीन खेलों में अपना पहला और भारत के लिए निशानेबाजी में तीसरा पदक हासिल किया।

एस.सी-एस.टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीफ जस्टिस ने कहा कि यदि कोई समाज उपेक्षित है तो फिर उसके प्रतिनिधित्व को नकारा नहीं जा सकता। इस केस में जस्टिस बीआर गवई ने बीआर आंबेडकर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आंबेडकर कहते थे, हमें एक सामाजिक लोकतंत्र बनना है। राजनीतिक लोकतंत्र की जरूरत इतनी नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति में भी हर वर्ग को अलग-अलग तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, यह कहा जा सकता है कि कोई पार्टी सब-कोटा का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए करेगी, लेकिन मैं सहमत नहीं हूं। असली उद्देश्य तो समानता ही होना चाहिए। बस इस फैसले के लिए उचित अध्ययन जरूर किया जाए।

इस मामले में छह अलग-अलग राय दी गईं। फैसले के अंश पढ़ते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ऐतिहासिक और अनुभवजन्य साक्ष्य संकेत देते हैं कि अनुसूचित जाति एक समरूप वर्ग नहीं है। उन्होंने कहा कि एससी के भीतर उप वर्गीकरण संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन नहीं करता है।

शीर्ष अदालत ने पंजाब अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग (सेवाओं में आरक्षण) अधिनियम 2006 की वैधता से संबंधित एक मामले पर विचार करने के बाद अपना यह फैसला सुनाया। इस अधिनियम में आरक्षित श्रेणी के समुदायों का उप-वर्गीकरण करने का प्रावधान है। संविधान बैंच ने पंजाब अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग (सेवाओं में आरक्षण) अधिनियम, 2006 को बरकरार रखा। शीर्ष अदालत ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए ऐसे मामले में पांच न्यायाधीशों की संविधान बैंच के 2004 के फैसले को खारिज कर दिया।

संविधान बैंच ने ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य के 2004 के फैसले को खारिज कर दिया।

शादी का झांसा देकर देह शोषण, अभियुक्त को आजीवन कारावास

जयपुर, 1 अगस्त। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग से शादी का वादा कर कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त विक्की चोरा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं अदालत ने पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत, पीड़िता को पांच लाख रुपए की क्षितपूर्ति राशि देने को कहा है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि अभियुक्त की ओर से किया गाय अपराध न केवल पीड़िता, बल्कि पूरे समाज के खिलाफ किया गया अपराध है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने बताया कि घटना के संबंध में पीड़िता ने 9 सितंबर, 2014 को आदर्श नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसके मकान के पास विक्की रहता है, ऐसे में उससे जान पहचान हो गई। उसने उसे शादी की झांसा देकर दो साल तक संबंध बनाए। इस दौरान वह गर्भवती भी हो गई और उसने चार जून, 2014 को संतान को जन्म दिया। अभियुक्त विक्की ने संतान को अपनाने ने मना कर दिया और उससे शादी भी नहीं की।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने घटना को दोहराते हुए कहा कि डिलीवरी होने के बाद अभियुक्त ने उसका फोन उठाना बंद कर दिया था। इस पर उसने थाने में रिपोर्ट दी थी। पुलिस के बुलाने पर विक्की ने लिखकर दिया था कि वह एक माह में उससे शादी कर लेगा, लेकिन इस के बाद वह फरार हो गया।

'चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम सीमा 25 नहीं 21 वर्ष होनी चाहिये'

नई दिल्ली, 1 अगस्त। राज्यसभा में गुरुवार को लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष किए जाने की मांग की गई। वर्तमान में यह 25 वर्ष है। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के राघव चड्ढा ने इस मामले को उठाते हुए हवाला दिया कि भारत एक युवा देश है लेकिन इस अनुपात में युवा राजनीति में नहीं हैं।

उन्होंने कहा, ''भारत सबसे युवा देशों में आता है। हमारे देश की औसत आयु 29 वर्ष है। देश की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। हमारी आधी आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है। लेकिन क्या हमारे चुने हुए प्रतिनिधि भी इतने युवा हैं?''

चड्ढा ने कहा कि पहली लोकसभा में चुने गए 26 प्रतिशत लोग 40 वर्ष से कम आयु के थे जबकि 17वीं लोकसभा में मात्र 12 प्रतिशत सांसद ही 40 वर्ष से कम आयु के थे। उन्होंने कहा, ''जैसे-जैसे देश जवान हो रहा है, हमारे चुने हुए प्रतिनिधि उस जवानी से काफी दूर होते जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि हम युवा देश हैं और राजनीतिज्ञ भी युवा होने चाहिए।

'हमारा लक्ष्य अगले 5 वर्षों में राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, ''हम पिछली सरकारों की तरह नहीं हैं जो इस तरह के सम्मेलन अपने कार्यकाल के अंतिम समय में आयोजित करती थीं, ताकि हिसाब नहीं देना पड़े। हम चुनौतियों से घबराते नहीं हैं और इसलिए अपने कार्यकाल के पहले वर्ष में ही हम 'राइज़िंग राजस्थान' निवेश सम्मेलन आयोजित करने जा रहे हैं।''

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा, कॉन्फैडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सी.आई.आई.) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी सहित सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि, 'राइज़िंग राजस्थान' निवेश शिखर सम्मेलन के जरिए हम केवल एम.ओ.यू. नहीं करना चाहते हैं, बल्कि राजस्थान में वास्तविक निवेश लाना चाहते हैं।''

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि ''पहले ही वर्ष में यह शिखर सम्मेलन करके, सरकार निवेश के नए अवसर पैदा कर रही है और निवेशकों के लिये अनुकूल नीतियां पेश कर रही है। हम निवेश की प्रक्रिया को सरल बना रहे हैं।''

उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव और राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास निगम (रीको) के अध्यक्ष अजिताभ शर्मा ने कहा कि, ''वैश्विक मंच पर राज्य की निवेश क्षमता को उजागर करने के लिये 'राइज़िंग राजस्थान' के तहत राजस्थान सरकार देश और दुनिया भर के प्रमुख व्यापारिक शहरों में निवेशक रोड शो आयोजित करेगी।'' राजस्थान सरकार के तत्वाधान में 'राइज़िंग राजस्थान' शिखर सम्मेलन का आयोजन उद्योग विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन (बी.आई.पी.) और राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास निगम (रीको) के द्वारा किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बी.आई.पी., और सी.आई.आई. इसमें पार्टनर है। सी.आई.आई. के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने इस आयोजन को सफल बनाने और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की सुविधा प्रदान करके राजस्थान को भारत में सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक बनाने में अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

'जीवन एवं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उठाया और कहा कि हैल्थ बीमा प्रिमियम के लिए नवीनतम आयकर कटौति (डिडक्शन) दिए जाने की जरूरत है तथा पब्लिक सैक्टर इंश्योरेन्स कंपनियों की संभावना को आगे बढ़ायेगा। जी.एस.टी. काउंसिल की पिछली बैठक 22 जून को आयोजित की गई थी और अब आगामी काउंसिल की बैठक इसी माह आयोजित होगी उसमें ऐसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने 16वें वित्त आयोग के प्रतिनिधि मंडल के साथ मीटिंग की

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के आधार पर ज्यादा सहायता मिलना चाहिए।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को अनिश्चित व अनियमित मानसून की वजह से जल संसाधनों के अभाव का सामना करना पड़ता है इसलिए पानी की कमी के लिए भी वित्त आयोग अधिक अनुदान देने पर विचार करे।

जयपुर, 1 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की विषम भौगोलिक स्थिति, विशाल क्षेत्रफल, मरूस्थलीय भू-भाग, जल संसाधनों की अत्यधिक कमी, अनुसूचित जाति एवं जनजाति की बड़ी आबादी के परिप्रेक्ष्य में वित्त आयोग केन्द्र सरकार से राजस्थान को अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने की सिफारिश करे। उन्होंने वित्त आयोग से आग्रह किया कि प्रदेश में भीषण जल संकट को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार से विशेष वित्तीय सहायता देने की सिफारिश करे।

मुख्यमंत्री शर्मा गुरूवार को सचिवालय में 16वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान विशाल भूभाग और बिखरी हुई आबादी वाला राज्य है, इस कारण यहां शिक्षा, चिकित्सा व स्वास्थ्य, पेयजल, विद्युत, संचार सुविधा आदि बुनियादी सुविधाएं आमजन तक पहुंचाने के लिए दूसरे राज्यों की तुलना में अधिक लागत आती है। उन्होंने कहा कि इस अतिरिक्त लागत और प्रदेश की भौगोलिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रदेश को वित्तीय संसाधन मुहैया कराए जाएं।

शर्मा ने कहा कि राज्य को तकरीबन हर वर्ष हीट वेव का सामना करना पड़ता है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों के निवासियों की आजीविका प्रभावित होती है। साथ ही, रेगिस्तानी टिड्डियों के कारण फसलों को क्षति पहुंचती है। इसको ध्यान में रखते हुए, हीट वेव एवं रेगिस्तानी टिड्डियों के खतरे को प्राकृतिक आपदा माना जाए और इन्हें राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एन.डी.आर.एफ.) में प्राकृतिक आपदा की परिभाषा में शामिल किया जाए।

मुख्यमंत्री ने वित्त आयोग से केन्द्रीय करों के वितरण के लिए ऐसा फार्मूला विकसित करने का अनुरोध किया, जो कि क्षेत्रीय विषमताओं को दूर करने का साधन बने।

शर्मा ने कहा कि अनियमित व अनिश्चित मानसून प्रदेश की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती है। सीमित एवं निरन्तर घटते हुए जल संसाधनों के कारण राज्य को अत्याधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। अत: वित्त आयोग पानी की कमी (वॉटर डेफिसिट) के लिए अनुदान देने पर भी विचार करे।

मुख्यमंत्री ने वित्त आयोग से अनुरोध किया कि वह राजस्थान के स्थानीय निकायों के लिए अनुदान बढ़ाने की सिफारिश करे।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने आयोग से आग्रह किया कि प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, संसाधनों का इस प्रकार वितरण करे, जिससे विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति को गति मिले।

वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगड़िया ने कहा कि आयोग राज्यों का दौरा कर उनसे सुझाव प्राप्त कर रहा है। हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं पंजाब के बाद आयोग का चौथा दौरा राजस्थान में है। राज्यों से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से सुना जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। मुख्यत: पश्चिमी क्षेत्र के जिलों में सेवा प्रदायगी के लक्ष्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सीमित संसाधन होने के कारण प्रदेश की केन्द्रीय कोष पर निर्भरता है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा ने आयोग से आग्रह किया कि सतत् विकास लक्ष्य की रैंकिंग के आधार पर राज्य को वित्तीय सहायता दी जाए।

वित्त आयोग के सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पाण्डा, डॉ. सौम्य कांत घोष एवं सचिव ऋत्विक पाण्डेय ने प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा भी की।

बैठक में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर, पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी सहित, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव एवं सचिव उपस्थित रहे।

इस अवसर पर ''मेमोरेंडम टू 16 फाइनेंस कमिशन'' पुस्तिका वित्त आयोग को सौंपी गई। उन्होंने आयोग के सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह स्वरूप भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा भेंट की।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908